अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 टकराव की शक्ति...
6 कान फेस्टिवल 2023 में ऐश्वर्या राय का लुक...
7 सभी ग्रामों में बनेंगी लाड़ली बहना सेनाएँ- मुख्यमंत्री श्री चौहान...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-19 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 23 मई से 29 मई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

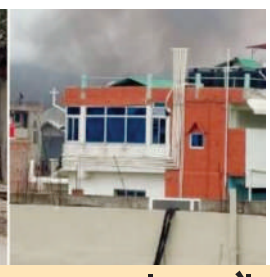

मणिपुर में फिर बिगड़े हालात- इंफाल में घरों को किया आग के हवाले, लगाया गया कर्फ्यू 5 दिन के लिए इंटरनेट भी बंद

मणिपुर में एक बार फिर जमीन पर हालात बिगड़ गए हैं। राजधानी इम्फाल के न्यू लाम्बुलेन इलाके में लोगों ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया है।

मणिपुर में एक बार फिर जमीन पर हालात बिगड़ गए हैं। राजधानी इंफाल के न्यू लाम्बुलेन इलाके में लोगों ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया है। स्थिति को देखते हुए सोमवार को सुबह 6 बजे से कर्फ्यू लगा दिया गया और पांच दिन के लिए इंटरनेट सेवाओं को भी सस्पेंड कर दिया गया है।

इंफाल में बिगड़े हालात, आगजनी

बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह से ही राजधानी इंफाल में कई जगहों पर हिंसक घटनाओं की खबर थी। असल में न्यू चेकॉन इलाके के एक बाजार में मैतई और कुकी समुदाय के बीच मारपीट हो गई। वो मारपीट ही बाद में और ज्यादा हिंसक रूप ले गई और खाली घरों को आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति को देखते हुए एक बार फिर सेना और अर्धसैनिक बल को जमीन पर तैनात कर दिया गया है।

पहले से था अंदेशा, इंटरनेट सस्पेंड

वैसे मणिपुर प्रशासन को पहले इस बात का अहसास था कि राज्य में एक बार फिर स्थिति तनावपूर्ण बन सकती है। इसी वजह से रविवार को ही पांच और दिनों के लिए इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया गया था। उस समय गृह मंत्रालय ने एक जारी बयान में कहा था कि इस बात का अंदेशा है कि कुछ आसामाजिक तत्व सोशल मीडिया के जरिए हेट स्पीच, हेट वीडियो को बढ़ावा दें जिससे कानून व्यवस्था को चुनौती दी जा सके। अब सोमवार को वैसी ही स्थिति ब गई, हिंसा हुई, आगजनी हुई और कर्फ्यू भी फिर लगाना पड़ गया। अभी के लिए पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रधानमंत्री नहीं राष्ट्रपति को करना चाहिए नए संसद भवन का उद्घाटन-राहुल गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नई संसद भवन का उद्घाटन करने वाले हैं। उनके उद्घाटन करने को लेकर ही अब विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि नई संसद भवन का उद्घाटन पीएम को नहीं राष्ट्रपति को करना चाहिए।

राहुल का पीएम मोदी पर निशाना

राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति जी को ही करना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं। इसी तरह आरजेडी नेता मनोज झा ने जोर देकर कहा कि क्या माननीय राष्ट्रपति भवन को नई संसद भवन का उद्घाटन नहीं करना चाहिए। मैं यहीं पर छोड़ता हूं इस बहस को, जय हिंद। इसी कड़ी मे AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पीएम तो एग्जीक्यूटिव के हेड हैं, लेजिस्लेचर के नहीं। हमारे यहां पर पावर का बंटवारा स्पष्ट है, ऐसे में नए संसद भवन का उद्घाटन लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयर को करना चाहिए है। ये जनता के पैसे से बनाई गई है, पीएम ऐसा क्यों दिखा रहे हैं कि उनके दोस्तों ने स्पॉन्सर की।

एक्शन मोड में नीतीश- केजरीवाल के बाद खड़गे-राहुल से मुलाकात, विपक्षी एकता पर मंथन, क्या बनेगी बात?

कर्नाटक चुनाव में बीजेपी की हार से विपक्ष उत्साहित है और उसे उम्मीद है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को वह हरा सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्ष को एक करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में नीतीश कुमार सोमवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पहुंचे। यहां पर उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के साथ बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह और बिहार सरकार मंत्री संजय झा भी मौजूद रहे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी इस बैठक में शामिल होना था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों के कारण वह बैठक में शामिल नहीं हो पाए। बता दें कि पिछले महीने भी मल्लिकार्जुन खड़गे से नीतीश कुमार ने मुलाकात की थी और इसके बाद उन्होंने विपक्षी नेताओं को एक मंच पर आने की सलाह दी थी।

रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से नीतीश कुमार ने मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। जबकि आम आदमी पार्टी की ओर से अरविंद केजरीवाल के अलावा संजय सिंह मौजूद थे।

वहीं इस मुलाकात के बाद अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि केंद्र सरकार के आदेश पर नीतीश कुमार से चर्चा हुई और वह हमारे पक्ष में खड़े हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि अगर सभी दल राज्यसभा में एक साथ आ जाए और अध्यादेश पारित ना हो पाए, तो एक संदेश जाएगा कि 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी को हराया जा सकता है।

मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा था कि हम देश में विपक्ष को एक करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनी हुई सरकार की शक्तियां कैसे छीनी जा सकती हैं। नीतीश कुमार ने यह भी कहा था कि हम देश के सभी विपक्षी पार्टियों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी नीतीश कुमार शामिल हुए थे। इस दौरान सभी नेताओं ने एक साथ फोटो भी खिंचवाई थी। नीतीश कुमार ने 12 अप्रैल को भी दिल्ली का दौरा किया था और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत अन्य दलों के नेताओं से भी मुलाकात की थी।

'आराम से बदलें 2000 का नोट- 4 महीने का समय है, हड़बड़ी न दिखाएं', RBI गवर्नर शक्तिकांत दास बोले- मकसद पूरा हुआ

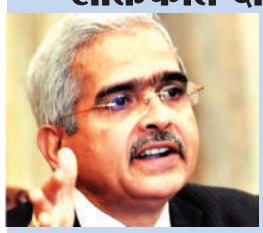

गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि बैंकों को सभी तरह की जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं।

दो हजार रुपए के नोट बदलने को लेकर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 2000 के नोट बदलने के लिए सभी बैंक तैयार है। बैंकों को सभी तरह की जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने जनता से अपील की कि नोट बदलने में 4 महीने का समय है, इसलिए हड़बड़ी न दिखाए और आराम से नोट बदले। आरबीआई के गवर्नर ने आगे कहा कि हमारा मकसद पूरा हो गया है। उन्होंने कहा, उद्देश्य पूरा हो गया है। आज सर्कुलेशन में अन्य मूल्यवर्ग के पर्याप्त नोट हैं। यहां तक कि 2000 रुपये के नोटों का चलन भी, जैसा कि हमने बताया है। यह 6 लाख 73 हजार करोड़ के अपने चरम से घटकर लगभग 3 लाख 62 हजार करोड़ हो गया है। छपाई भी बंद कर दी गई है। नोटों ने अपना लाइफ साइकिल पूरा कर लिया है।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, आम जनता को काउंटर पर ?2000 के नोट बदलने की सामान्य सुविधा प्रदान की जाएगी। किसी भी प्रकार का कागज नहीं लगेगा। जैसे पहले सुविधा मिलती थी, उसी प्रकार की सुविधा मिलेगी। 23 मई से किसी भी बैंक में एक समय में ?2000 के नोटों को अन्य मूल्य वर्ग के बैंक नोट में बदलने की सीमा ?20,000 तक की जाएगी।

पीओके पहुंच बिलावल भुट्टो ने कश्मीर पर उगला जहर

मुजफ्फराबाद । पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो सोमवार को पीओके में थे। यहां पर उन्होंने प्रांतीय सभा को संबोधित किया और फिर एक बार कश्मीर पर जहर उगला। श्रीनगर में जी-20 आयोजन के दौरान ही बिलावल पीओके के दौरे पर निकले हैं। बिलावल 23 मई तक पीओके में रहेंगे। प्रांतीय सभा को संबोधित करते हुए बिलावल ने कहा कि वह पाकिस्तान के पहले विदेश मंत्री हैं जो पीओके का दौरा कर रहे हैं। बिलावल ने कहा कि जिस गंभीरता से पीओके प्रांत के मंत्री सभा में आए हैं वह यह बताने के लिए काफी है कि पाकिस्तान इस मामले के लिए कितना संजीदा है।

अब सिडनी में दिखेगा -मोदी का जलवा

ऑस्ट्रेलिया में होगा लिटिल इंडिया

जापान में G-7 सम्मेलन में डंका बजाने के बाद जब पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी पहुंचे तो नरेंद्र मोदी के स्वागत में वहां के पीएम मोदी ने सारे प्रोटोकॉल को नजरअंदाज करते हुए पीएम मोदी के पैर छुए। अब पीएम मोदी का ऑस्ट्रेलिया में इंतजार हो रहा है, जहां उनका मेगा शो होगा। यहां तक कि सिडनी के हैरिस पार्क इलाके का नाम भी बदलकर लिटिल इंडिया किया जाएगा। इसके लिए वहां भी लोग पीएम मोदी का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की जनता को बेसब्री से इतंजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पापुआ न्यू गिनी की अपनी यात्रा सम्पन्न करने के बाद सोमवार को तीन देशों की यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गए। पीएम मोदी का अब ऑस्ट्रेलिया में भी बेसब्री से इंतजार हो रहा है। पीएम मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे को लेकर जितनी वहां की जनता उत्सुक है, उससे कहीं ज्यादा ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीस हैं। अल्बनीस ने कहा है कि इस साल की शुरुआत में भारत में बेहद गर्मजोशी से स्वागत करने के बाद ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करके मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

सम्पादकीय

टकराव की शक्ति

दिल्ली सरकार में अधिकारियों की तैनाती और तबादले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला आया, तो लगा कि अब केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच टकराव की नौबत नहीं आएगी।

संविधान पीठ ने कुछ को छोड़ कर सभी विभागों के अधिकारियों के चयन और तबादले का अधिकार दिल्ली सरकार को दे दिया। मगर केंद्र सरकार को वह फैसला रास नहीं आया। शुक्रवार को उसने अध्यादेश जारी कर दिल्ली सरकार के अधिकारों का अधिग्रहण कर लिया। अधिकारियों की तैनाती और तबादले के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोकसेवा प्राधिकरण का गठन कर दिया गया, जिसके अध्यक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री को और दो अन्य सदस्यों के रूप में प्रधान सचिव और केंद्रीय गृहमंत्रालय के प्रधान सचिव को नामित कर दिया गया।

नियम बनाया गया कि सदस्यों के बहुमत के आधार पर नियुक्तियों और तबादलों से संबंधित फैसले होंगे। जाहिर है, इस आयोग में भी केंद्र सरकार की शक्ति अधिक रखी गई है, यानी केंद्र सरकार जिसे चाहेगी वही अधिकारी दिल्ली सरकार में तैनात किया जा सकेगा। इसे लेकर स्वाभाविक ही विपक्ष और मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी ने विरोध शुरू कर दिया है। दिल्ली सरकार इस अध्यादेश को अदालत में चुनौती देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आश्वस्त हैं कि यह अध्यादेश अदालत में एक दिन भी नहीं टिकेगा।

यह बात किसी को भी गले नहीं उतर रही कि आखिर केंद्र सरकार क्यों इस जिद पर अड़ी है कि दिल्ली सरकार को एक चुनी हुई सरकार के अधिकार हासिल न होने पाएं। वह उसकी सारी प्रशासनिक शक्तियां अपने हाथ में क्यों रखना चाहती है। शुरू से ही, दिल्ली के जो भी उपराज्यपाल नियुक्त हुए, वे केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप ही काम करते रहे।

इसे लेकर दिल्ली सरकार लगातार केंद्र पर आरोप लगाती रही कि वह उसे काम नहीं करने दे रही। पांच साल पहले भी वह अदालत गई थी कि उसके अधिकारों की व्याख्या की जाए। तब भी अदालत ने यही कहा था कि दिल्ली सरकार लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार है, इसलिए उसे प्राशासनिक फैसले करने का अधिकार है। मगर किसी भी उपराज्यपाल ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

वर्तमान उपराज्यपाल ने तो एक तरह से दिल्ली सरकार के सारे अधिकार अपने हाथों में लेने की कोशिश की। नगर निगम में भी उन्होंने संवैधानिक नियमों को ताक पर रखते हुए अपनी पसंद के दस सदस्य मनोनीत कर दिए। इसे भी सर्वोच्च न्यायालय ने अनधिकार चेष्टा करार दिया। फिर भी केंद्र ने अदालत के फैसले का सम्मान करना जरूरी नहीं समझा।

सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकार की शक्तियों की स्पष्ट व्याख्या कर दी थी, फिर भी केंद्र को वह रास नहीं आई, तो इससे यह भी जाहिर होता है कि उसे न तो संविधान के नियमों की परवाह है और न अदालत की संविधान पीठ का। आखिरकार वह अपने ही फैसले लागू करना चाहती है। इससे एक बार फिर केंद्र सरकार की किरकिरी हुई है।

अब आम आदमी पार्टी को बैठे-बिठाए एक और मुद्दा मिल गया है भाजपा और केंद्र सरकार को घेरने का। इससे आम लोगों में केंद्र सरकार के कामकाज को लेकर कोई अच्छा संदेश नहीं गया है। लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरि होता है और अगर कोई सरकार उसे दरकिनार करके अपनी जिद को ऊपर रखने का प्रयास करती है, तो उससे उसका पक्ष कमजोर ही होता है। अगर केंद्र के इस अध्यादेश को अदालत ने निरस्त कर दिया, तो फिर और किरकिरी होगी।

संपादक-
गोपाल गावंडे

तकनीकी क्षेत्रों में बढ़ती महिला श्रमशक्ति

मौजूदा वक्त में कामकाजी महिलाएं तकनीकी दुनिया में कार्यबल का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं।

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना महिलाओं की बहुत-सी परेशानियों का हल है। उनके आत्मविश्वास का आधार है। सुरक्षित जीवन जीने और अपने आत्मसम्मान से समझौता न करने के लिए यह सबसे जरूरी है। ऐसे में तकनीकी क्षेत्रों में महिला श्रमशक्ति की बढ़ती भागीदारी ने उनके जीवन के इस सबसे अहम पक्ष को संबल दिया है।

बीते कुछ बरसों में तकनीक के विस्तार ने देश की आधी आबादी के कामकाजी संसार में तरक्की के नए मार्ग खोले हैं। तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात की पुष्टि करती है। साथ ही बड़ी संख्या में युवतियों के अध्ययन के लिए तकनीक से जुड़े विषयों को चुनना भी यह बताता है कि भविष्य में महिलाएं इस क्षेत्र में बेहतर अवसर मिलने के प्रति आश्वस्त हैं।

हालांकि जीवन के हर मोर्चे पर तकनीक के बढ़ते दखल के चलते दुनिया भर में स्त्रियां इस क्षेत्र का हिस्सा बन रही हैं, पर भारत के सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में महिलाओं को मिल रहे नए विकल्प विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। दरअसल, हमारे यहां कामकाजी महिलाओं के लिए पेशेवर जिम्मेदारियों के अलावा भी दायित्वों और आम जीवन से जुड़ी समस्याओं की एक लंबी सूची है।

घर-परिवार की देखभाल और बच्चों की परवरिश के अलावा सामाजिक संबंधों के निर्वहन की जवाबदेही भी स्त्रियों के ही हिस्से आती है। ऐसे में तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी नौकरियों में त्वरित संवाद, घर से काम करने की सुविधा और समय विशेष के मुताबिक अपना काम निपटाने की छूट मिलना बहुत मददगार बन रहा है।

यही वजह है कि तकनीकी दुनिया में कामकाजी महिलाएं न केवल अहम भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि सक्रिय रूप से नवाचार को भी प्रोत्साहन दे रही हैं। बीते कुछ बरसों में कई नवोदित स्टार्टअप भी महिलाओं ने शुरू किए हैं। 'नेशनल सेंटर फार वुमन ऐंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी' की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक तकनीक उद्योग के कार्यबल में महिलाओं की छब्बीस प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले पांच वर्षों में तकनीक की दुनिया में महिलाओं की संख्या में पांच फीसद की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के दौर में मिली घर से काम करने की सुविधा से न केवल महिलाओं, बल्कि नियोक्ताओं को इसकी अहमियत समझ आई है। इस वैश्विक संकट के बाद घर से काम करने की संस्कृति को दुनिया के हर हिस्से में अपनाया गया। तकनीकी क्षेत्रों से जुड़ी भारतीय महिलाओं के लिए भी अब यह सुविधा बहुत कुछ आसान बना रही है। गौरतलब है कि हमारे यहां मातृत्व की जिम्मेदारी, तबादला या कामकाजी सम्मेलनों का हिस्सा बनने के लिए आए दिन दूसरे शहर जाने जैसी बातें महिलाओं के श्रमबल से बाहर होने की अहम वजहें रहीं हैं। ऐसे में तकनीक ने इस भागमभाग को बहुत हद तक कम किया है।

मौजूदा वक्त में कामकाजी महिलाएं तकनीकी दुनिया में कार्यबल का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। कभी पूरी तरह पुरुष प्रधान रहे तकनीक के क्षेत्र में स्त्रियों की बढ़ती भागीदारी कई मायनों में अहम है। हाल में जारी ग्रांट थार्नटन रिपोर्ट के मुताबिक हमारे यहां पांच प्रतिशत महिलाओं ने हमेशा के लिए 'वर्क फ्राम होम' चुना है।

करीब पांच प्रतिशत महिलाएं 'फ्लेक्सिबल वर्क' यानी अपने समय और सुविधा के मुताबिक काम कर रही हैं। अपनी मर्जी से दफ्तर या घर से काम करने के विकल्प का चुनाव उनके लिए बहुत कुछ आसान बना रहा है। देखने में आ रहा है कि घर से काम करने की सुविधा से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में रहने वाली महिलाओं की महानगरों में मौजूद बड़ी कंपनियों में भी हिस्सेदारी बढ़ी है। इसके चलते दूर-दराज के क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ संतुलन साधते हुए आगे बढ़ने की ऐसी परिस्थितियां आने वाली पीढ़ियों के लिए भी नई राह खोलने वाली हैं।

दरअसल, हमारे सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में महिलाओं को दायित्वों का तानाबाना आज भी मजबूती से बांधे हुए है। इन जिम्मेदारियों में संतुलन बनाए रखने से जुड़ी कई उलझनें कामकाजी दुनिया में उनकी रफ्तार कम करती हैं। हालांकि अब घरेलू आय में उनके योगदान की अहमियत भी समझी जाने लगी है, पर मानसिकता से जुड़ी मुश्किलें बदस्तूर कायम हैं। ऐसे में तकनीकी दुनिया ने उनके जीवन को सहज बनाया है।

नतीजतन, तकनीकी शिक्षा और कामकाजी दुनिया में महिलाओं और बेटियों की संख्या बढ़ रही है। 'नेशनल स्टैटिस्टिकल आफिस' के आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 2017-18 में 17.5 प्रतिशत रही महिला श्रमबल की भागीदारी में 2020-21 तक पच्चीस प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में हर क्षेत्र में महिलाओं की मौजूदगी बढ़ी है, पर कृत्रिम मेधा जैसे बिल्कुल नए क्षेत्र में भी बाईस फीसद विशेषज्ञ महिलाएं हैं। अधिकतर अध्ययन बताते हैं कि आने वाले समय में यह भागीदारी और बढ़ेगी।

नवाचार और तकनीक की दुनिया के हर क्षेत्र में स्त्रियां उल्लेखनीय भूमिका में होंगी। पिछले वर्ष 'आई डिलाइट' कंपनी की एक रिपोर्ट में 2022 के अंत तक दुनिया भर की तकनीक कंपनियों में महिलाओं की भागीदारी 33 फीसद तक होने की उम्मीद जताई गई थी। इस हिस्सेदारी में 2023 में आठ प्रतिशत का इजाफा संभव है।

2022 की 'हुरून इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक निजी क्षेत्र की नामी-गिरामी पांच सौ तकनीकी कंपनियों में 11.6 लाख महिलाएं कार्यरत हैं। साथ ही हमारे यहां 'स्टेम' शिक्षा में भी लड़कियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। 'स्टेम' का अर्थ साइंस, टेक्नोलाजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स विषयों से है। आंकड़ों के अनुसार 1980 में देश में इंजीनियरिंग की सभी डिग्रियों में महिलाओं की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम थी। चार साल पहले 'आल इंडिया सर्वे आफ हायर एजुकेशन' की रिपोर्ट में सामने आया था कि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की 31 प्रतिशत डिग्रियां महिलाओं द्वारा ली गई थीं।

निस्संदेह ऐसे आंकड़े बदलती सोच और बढ़ती महिला भागीदारी की बानगी हैं। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी कहा था कि 'विज्ञान में ज्यादा संख्या में लड़कियां और महिलाएं, बेहतर विज्ञान के समान हैं। महिलाएं और लड़कियां शोध में विविधता साथ लेकर आती हैं, विज्ञान विशेषज्ञों के समुदाय का विस्तार करती हैं।साथ ही विज्ञान एवं तकनीक में हर किसी के लिए नया परिवेश भी बनाती हैं, जिससे हर किसी को लाभ होता है।' यकीनन, महिलाओं की वैज्ञानिक सोच, तकनीकी समझ, समाज और परिवार से जुड़े हर पहलू पर सकारात्मक असर डालती है। अपनी देहरी तक सिमटी जिंदगी में भी वे संसार भर से जुड़ पाती हैं। हमारे देश के परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह और अहम हो जाता है।

दरअसल, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना महिलाओं की बहुत-सी परेशानियों का हल है। उनके आत्मविश्वास का आधार है। सुरक्षित जीवन जीने और अपने आत्मसम्मान से समझौता न करने के लिए यह सबसे जरूरी है। ऐसे में तकनीकी क्षेत्रों में महिला श्रमशक्ति की बढ़ती भागीदारी ने उनके जीवन के इस सबसे अहम पक्ष को संबल दिया है।

समझना मुश्किल नहीं कि महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना समग्र समाज को सशक्त बनाता है। भावी पीढ़ियों के लिए बदलाव का आधार बनाता है। स्त्रियों की निर्णयकारी क्षमता को बल देता है। नेतृत्वकारी भूमिका में आने का मार्ग सुझाता है। अपेक्षाओं और उपेक्षाओं के परिवेश वाले पारिवारिक ढांचे में उनके अस्तित्व को पुख्ता पहचान दिलाता है।

इंदौर में फार्म हाऊस में डूबा आठवीं का स्टूडेंट

इन्दौर । गांधी नगर इलाके के एक फार्म हाउस पर दोस्तों के साथ नहाने गए एक नाबालिग की डूबने से मौत हो गई। परिवार के लोग शाम को उसे निजी अस्पताल ले गए थे। जहां उसे कुछ देर वैंटिलेटर पर रखा गया था। लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया।

गांधी नगर थाने के एसआई योगेश कुमार के मुताबिक 15 साल के सक्षम पुत्र रितेश चौहान निवासी सिद्धार्थ नगर अपने मामा के बेटों और दोस्तों के साथ दिलीप नगर के मनाली फार्म हाउस गया था। यहां पानी ज्यादा होने के चलते डूबने से उसकी मौत हो गई। सक्षम काफी देर तक बाहर नही आया। उसे बाहर निकाला तो वह बेसुध था। उसके फेफड़ों में पानी भर गया था। बाद में उसे उपचार के लिए दोस्त अस्पताल लेकर गए थे। लेकिन उसकी जान नही बच पाई। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। सक्षम आठवीं क्लास में पढ़ाई कर रहा था। परिवार में उसका एक और भाई है।

एम्बुलेंस कर्मी की संदिग्ध मौत

इन्दौर । तेजाजी नगर में 108 एम्बुलेंस कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। उसे सुबह ड्यूटी डॉक्टर ने उठाया लेकिन वह गाड़ी में ही सोता मिला। फिलहाल पुलिस ने मामला जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक कमलेश पुत्र फतेसिंह निवासी टोंकखुर्द देवास 108 एम्बुलेंस में पायलट है। उसे ड्यूटी डॉक्टर संदीप मृत अवस्था में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। संदीप ने बताया कि उन्होंने सुबह कमलेश को आवाज दी थी। लेकिन वह उठा नहीं। कमलेश तेजाजी नगर थाने के बाहर से ही एम्बुलेंस चलाता है। वह मूल रूप से देवास जिले का रहने वाल था। उसके परिवार में दो छोटे बच्चे और माता-पिता है। तेजाजी नगर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

बच्चियों से हरकत कर लोगों को तलवार से काटने की धमकी दे रहा था गुंडा

इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे ने गुरुवार को खूब आतंक मचाया। दो बच्चियों से अश्लील हरकत करने के बाद आरोपित तलवार लेकर घूमता रहा। लोगों को काटने की धमकी देने लगा। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जारी हुए तो आरोपित को तलवार सहित पकड़ लिया।

टीआइ कमलेश शर्मा के मुताबिक, आरोपित का नाम सन्ना उर्फ रोहित बागरे है। रात में उसने हरिजन कालोनी (न्यू पलासिया) में दो किशोरियों के साथ छेड़छाड़ की। आरोपित इसके बाद नशे में तलवार लेकर निकला और लोगों को काटने की धमकी देने लगा। पुलिस ने रात में ही आरोपित को पकड़ लिया। टीआइ के मुताबिक, सन्ना पर तलवार रखने पर केस दर्ज किया गया है।

बहन से छेड़छाड़, भाई पर चाकू से हमला

कनाड़िया पुलिस ने भी बिचौली मर्दाना निवासी 16 वर्षीय किशोरी की शिकायत पर आरोपित सुमित निवासी स्कीम-140 और साहिल निवासी स्कीम-140 के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपित किशोरी की बहन के साथ छेड़छाड़ करते थे। किशोर ने इसका विरोध किया तो गुरुवार को चाकुओं से हमला कर दिया। आरोपितों ने किशोरी के भाई पर छह वार किए।

इंदौर में फिर लव जिहाद, इस्लाम नहीं कुबूला तो दुष्कर्म कर भागा फैजान

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। खजराना पुलिस थाने में लव जिहाद का मामला सामने आया है। आरोपित ने कोचिंग क्लास में युवती से दोस्ती की फिर शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बना लिए। बाद में वह उस पर इस्लाम धर्म स्वीकारने के लिए दबाव बनाने लगा। युवती ने मतांतरण से इनकार किया तो आरोपित मारपीट करने लगा। उसने धमकी भी दी कि इस्लाम नहीं स्वीकारा तो तेरी, तेरे भाई और मां की हत्या कर दूंगा। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म और मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

आरोपित का नाम मोहम्मद फैजान खान पुत्र फरीद खान निवासी हारुन कालोनी खजराना है। नंदानगर निवासी युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि करीब चार वर्ष पहले मेरी मो.फैजान खान से कोचिंग में पहचान हुई थी। उसने मुझसे दोस्ती की फिर बहला-फुसलाकर मुझे घर बदलने को मजबूर कर दिया। जब मैं अकेले रहने लगी तो फैजान ने मुझे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए।

एसी सुधारने वाला चुरा ले गया लाखों रुपये के हीरे और सोने के आभूषण

इंदौर(अशोक सैनी)। इंजीनियर और उसकी बहन को एसी मैकेनिक पर भरोसा करना भारी पड़ गया। आरोपित भरोसे का फायदा उठाकर लाखों रुपये कीमती सोना और हीरे के आभूषण चुरा ले गया। पलासिया थाना पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वह सोना बेचना कुबूल रहा है। पुलिस उससे माल जब्त करने का प्रयास कर रही है।

पलासिया पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को एनआरके विला मनोरमागंज निवासी 60 वर्षीय राजबाला पति वीरेंद्र कुमार जैन की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज किया। राजबाला ने पुलिस को बताया कि चोर लॉकर का लॉक तोड़कर डायमंड का ब्रेसलेट, सोने की 11 बालियां सहित करीब पांच लाख रुपये के आभूषण चुरा ले गया। पुलिस ने संदेहियों की जानकारी जुटाई और शुक्रवार रात ओमप्रकाश पुत्र अंबाराम सुगालिया निवासी एमजी रोड़ गौराकुंड मल्हारगंज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को एसी सुधारने के लिए बुलाया था।

इंदौर में किसान की भैंसे हुई चोरी, सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए दो बदमाश

इंदौर। इंदौर के गांधी नगर थाना क्षेत्र से एक किसान की लाखों रुपये कीमत की भैंसे चोरी हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। इन्होंने भैंसों को देवास में बेच दिया, अब पुलिस खरीदने वालों को ढूंढ रही है।

गांधी नगर पुलिस ने सिंहासा निवासी जीवन पटेल की शिकायत पर केस दर्ज किया है। जीवन का ग्राम बिसनावदा में ही बाड़ा है। आरोपित गुरुवार रात तीन भैंसों को चुराकर ले गए। जीवन दूध दोहने उठा तो भैंसे गायब देख चौक गया। पहले उसने खेतों और आसपास के गांवों में भैंसों को ढूंढा। शक गहराने पर चाय दुकान संचालक मुकेश की दुकान से फुटेज निकाले तो बदमाश पिकअप (एमपी-09जीएच 8898) से भैंसें ले जाते हुए दिख गए।

पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपित विशाल और पप्पू को हिरासत में ले लिया। दोनों ने भैंसे चुराना कबूला और कहा कि देवास में बाजार में भैंसों का सौदा कर दिया। पुलिस अब आरोपितों को उस जगह ले गई जहां भैंसे बेची गई है।

जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपितों को 10 वर्ष का कठोर कारावास

इंदौर। जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपितों को इंदौर जिला न्यायालय ने 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपितों पर अर्थदंड भी लगाया है। आरोपितों के नाम आजम पुत्र अब्दुल अजीज राईन, कलीम उर्फ कल्लू मार्शल पुत्र सलीम अंसारी दोनों निवासी साउथ तोड़ा, अजहर खान पुत्र मकबूल एहमद खान निवासी जवाहर मार्ग और मुन्ना चोर उर्फ आबिद खान पुत्र मो. खान निवासी कबूतरखाना हैं।

घटना 22 जून 2012 की है। चारों आरोपितों ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना वाले दिन शाम करीब सवा सात बजे जवाहर मार्ग क्षेत्र में मुन्ना अंसारी नामक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किया था। मुन्ना अंसारी उस वक्त नमाज पढ़ने जा रहा था। जैसे ही वह कोष्ठी मोहल्ला पहुंचा, आरोपितों ने उसे घेर लिया और उस पर गोली चला दी। आरोपितों ने उस पर चाकू से भी हमला किया था। घायल हालत में अंसारी को तुरंत अस्पताल पहुंचा गया, जहां कई दिनों तक उसका इलाज चलता रहा।

साक्ष्य के अभाव में चार आरोपित बरी

सेंट्रल थाना पुलिस ने इस मामले में आठ आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में प्रकरण दर्ज किया था। एजीपी उमेश यादव ने बताया कि कोर्ट ने चार आरोपितों को 10-10 वर्ष कठोर कारावास

की सजा सुनाई है। वहीं, चार आरोपितों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। अभियोजन बरी हुए आरोपितों के खिलाफ अपील दायर करेगा।

अंदर के धर्म जागृत होते ही आप धार्मिक हो जाएंगे

हम लोग यही सोचते हैं कि अगर माताजी के आत्म साक्षात्कार की तरफ हम मुड़े तो भाई फिर क्या होगा हम सन्यासी हो जाएंगे सहज योग तो सन्यास के महाविरोध में है महा विरोध अगर कोई सन्यासी आ जाए तो हम उसे कहते हैं कि जाकर कपड़े बदल कर आओ सहयोग सामान्य लोगों के लिए जो बस्ती में रहते हैं उनके लिए है गृहस्थी बड़ा भारी महायज्ञ है उस महायज्ञ में जो गुजरा है वही सहयोग में आता है सन्यासियों में हमारा विश्वास बिल्कुल नहीं है क्योंकि यह कपड़े पहन कर के आप किसको जता रहे हैं जो सन्यासी होता है वह तो है ही सन्यासी अंदर से वह क्या ब्रह्मा में अपने ऊपर में कुछ नाम पर साइन बोर्ड लगा कर घूमता है कि मैं सन्यासी हूं यह झूठ है नेट पर लगाने की क्या जरूरत है और गलतफहमी में अपने को रखना अपने ही को आप की ट्रेन धोखा कर रहे हैं तो दूसरों को करेंगे ही जिसने अपने ही को धोखा दिया है वह दूसरों को भी धोखा दे ही देगा तो इस प्रकार के भी विचार के कुछ लोग होते हैं कि जो अपने शरीर को

दुख देना और दुनिया भर के दुख सहना और परेशानी उठाना इसका बड़ा अच्छा उदाहरण है यहूदी लोग अपने यहां भी ऐसे बहुत सारे हैं जो उपवास तपास और दुनिया भर की बातें करके शिवाय बीमारी के और कुछ नहीं उठाते पर यहूदी लोगों ने यह कहा कि हम ईसा मसीह को नहीं मानते हैं क्योंकि वह कहता है कि मैं तुम्हारे सारे पापों को खींच लूंगा अपने अंदर और सही बात है जब उनकी जागृति हो जाती है हमारे आज्ञा चक्र पर तो वह खींच लेते हैं इसलिए यहूदी लोग उनको नहीं मान सकते और चाहे कोई माने तो माने और इसलिए उन्होंने कहा कि हम तो यह विश्वास करते हैं कि मनुष्य खूब सफर कष्ट सहन करना चाहिए खूब सफरिंग कष्ट भोगना होना चाहिए वह इतना दुख उठाए दुख उठाने से ही परमात्मा मिलता है यह उनका अपना विचार था यानी यहां तक कि कोई संत है उसको कोई दुख दे रहा है तो वह कहते हैं कि ठीक ही है तुमको परमात्मा अच्छे से मिल जाएगा जितना दुख हो जेलो जैसे ज्ञानेश्वर जी को हमने काफी सताया रामदास स्वामी को हमने कभी माना ही नहीं कभी माना ही तुकाराम की तो हालत ही खराब कर दी और भी जितने भी नानक साहब हैं कबीर दास हैं सब को परेशान किया और यही कहकर कि तुम तो संत हो तुम तो गुस्सा ही नहीं हो सकते हम संत नहीं हैं मां ने यहां की जैसे सारे गुस्से का ठेका हमने ले रखा है और सारा सहने का ठेका आप ने ले रखा है और ऐसे जो यहूदी लोग थे देखिए उन पर कितनी बड़ी आफत आ गई भगवान ने एक हिटलर भेज दिया उनके लिए जाओ इनको सफर करना है करने दो अब वहां उल्टे बैठ गए हैं वह सब दुनिया को सफर कराएंगे तो इस तरह की कल्पनाएं अगर दिमाग में हो तो भी मनुष्य कभी भी सुख नहीं पा सकता इस तरह की बड़ी ही ज्यादा तीव्र भावनाएं किसी के प्रति कभी भी नहीं बनानी चाहिए क्योंकि सभी परमात्मा की संतान हैं किसी से भी देश बनाना नहीं चाहिए कोई भी आप प्रश्न उठाइए जैसे कि कोई कहेगा कि आज हिंदू धर्म जो है यह बड़ी विपत्ति में पड़ा है मैं तो कहती हूं कि कभी विपत्ति में पड़ ही नहीं सकता अगर वह धर्म है तो उसको कोई हाथ भी नहीं लगा सकता अगर वह धर्म है तो पर वह राजनीति नहीं है वह धर्म है और धर्म को कोई छू नहीं सकता क्योंकि धर्म शाश्वत है धर्म को कौन छू सकता है आनी जानी और मरना जीना तो चलता रहता है लेकिन धर्म नष्ट नहीं हो सकता अगर आप ही धर्म चुप हो जाए तो धर्म नष्ट हो जाएगा और नहीं तो आपका आपका धर्म कोई नहीं तोड़ सकता किसी की मजाल नहीं कि आपका धर्म तोड़े पर धर्म को पहले अपने अंदर जागृत करना चाहिए आप के 10 धर्म हैं वह धर्म जब आपके अंदर जागृत हो जाएंगे तो जो धर्म आप नष्ट कर रहे हैं रोज रोज किसी न किसी वजह से क्योंकि आपकी बहुत सारी इच्छाएं हैं आप में लाल साए हैं वासन आए हैं बहुत सी आदतें पड़ गई हैं इसकी वजह से जो आपके अंदर का धर्म रोज नष्ट हो रहा है वह जागृत होते ही आप धार्मिक हो जाएंगे क्योंकि आप दूसरा काम कर ही नहीं सकते जैसे मैं कभी भी नहीं कहती आप शराब मत पियो मैं नहीं कहती हूं क्योंकि कहने से आधे लोग उठ जाएंगे फायदा क्या मैं कहती हूं अच्छा पार हो जाओ मां के तरीके उल्टे होते हैं ना चल भाई पहले पार हो जाओ फिर मैं कहूंगी अच्छा अब पी कर देखो शराब पी नहीं सकते उल्टी हो जाएगी उल्टी हो जाएगी धर्म अब जागृत हो गया आपके अंदर तो वहां फेंक देगा आपकी शराब को आपकी ही नहीं सकते धर्म इस तरह इतने जोर से आपके अंदर जागृत हो जाता है कि फिर पाप और पुण्य जो है जैसे निर्वाचित विवेक हो जाता है उस तरह से अलग अलग हो जाता है और आप जान जाते हैं कि यह मेरे लिए रास नहीं आएगा यह मेरे माफी नहीं आने वाला यह मुझे सूट ही नहीं कर सकता इसकी एलर्जी है मुझको आप एलर्जी हो जाते हैं क्योंकि आपके अंदर आपका जो परम गुरु आत्मा है शिव स्वरूप आत्मा जागृत होकर के वही आपको समझा देता है कि भाई देखो यह चीज चलने वाली नहीं है अब हमसे क्योंकि आप अब आत्मा हो गए इसलिए अब आत्मा बोलेगा और बाकी जो चीज हैं गौण हो जाती है और मुख्य हो जाता है आत्मा

जय श्री माताजी

गर्मियों में सजाना है लिविंग रूम, यहां से लें आइडियाज

लिविंग एरिया को डेकोरेट करते समय प्लांट्स की मदद लेना एक अच्छा विचार है। दरअसल, जब आपकी आंखों के सामने पौधे होते हैं तो इससे आपके मन में पॉजिटिविटी आते हैं। इतना ही नहीं, प्लांट्स होने के कारण लिविंग एरिया के तापमान को मेंटेन करने में मदद मिलती है।

कभी भी घर को सजाते समय सबसे ज्यादा ध्यान लिविंग रूम पर ही दिया जाता है। दरअसल, घर के सदस्य इस एरिया में अपना अधिकतर समय बिताते हैं। इतना ही नहीं, आने वाले मेहमान भी लिविंग एरिया में ही बैठते हैं। यहां बैठकर और आपके घर को देखकर ही वह आपके व्यक्तित्व के बारे में अंदाजा लगाते हैं। इसलिए, लिविंग एरिया को अप-टू-डेट रखना जरूरी होता है। चूंकि, अभी गर्मियों का मौसम चल रहा है और इसलिए जब आप लिविंग रूम को डेकोरेट करें तो कंफर्ट का भी ध्यान रखें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आपको गर्मी के मौसम में अपने लिविंग एरिया को किस तरह डेकोरेट करना चाहिए-

प्लांट्स की लें मदद

लिविंग एरिया को डेकोरेट करते समय प्लांट्स की मदद लेना एक अच्छा विचार है। दरअसल, जब आपकी आंखों के सामने पौधे होते हैं तो इससे आपके मन में पॉजिटिविटी आते हैं। इतना ही नहीं, प्लांट्स होने के कारण लिविंग एरिया के तापमान को मेंटेन करने में मदद मिलती है। आप बिग प्लांट्स से लेकर छोटे प्लांट्स को अपने लिविंग एरिया में रख सकते हैं।

यूं क्रिएट करें फन

जब आप समर में अपने लिविंग एरिया को डेकोरेट कर रहे हैं तो अपने मूड को बेहतर बनाने के लिए उसमें कुछ फन एलिमेंट्स भी शामिल किए जा सकते हैं। मसलन, आप पॉम पॉम की मदद से गारलैंड बनाएं और उसे लिविंग एरिया की वॉल पर हैंग करें। इससे आपका लिविंग एरिया देखने में काफी अच्छा लगेगा।

मैसन जार का करें इस्तेमाल

पुराने खाली पड़े मैसन जार भी समर में लिविंग एरिया डेकोरेशन में आपकी मदद कर सकते हैं। आप इनमें कुछ छोटे एयर प्लांट्स रखकर वॉल पर हैंग कर सकते हैं। इसके अलावा, इसे पेंट करके या फिर ग्लिटर आदि का इस्तेमाल करके एक डेकोरेटिव आइटम तैयार किया जा सकता है। जिसे आप टेबल पर रख सकते हैं।

मिरर की लें मदद

हम सभी चाहते हैं कि हमारे घर का लिविंग एरिया काफी बड़ा महसूस हो। ऐसे में होम डेकोरेशन के लिए मिरर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप इसे अपन लिविंग एरिया में लगाएं। इससे आपके कमरे में अधिक प्रकाश आएगा। साथ ही साथ, कमरा अधिक बड़ा नजर आएगा।

जानिए भगवान शिव को क्यों चढ़ाते हैं चिता की भस्म, माता सती से जुड़ा है इसका रहस्य

भस्म भगवान शिव का प्रिय वस्त्र है। भगवान भोलेनाथ के पूजन व आरती में भस्म का इस्तेमाल किया जाता है। भस्म के इस्तेमाल के पीछे कई पौराणिक कहानियां हैं। भगवान शिव को भस्म चढ़ाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों से बहुत जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता हैं। ऐसी कई चीजें हैं, जो भगवान शिव को अत्यंत प्रिय हैं। इन्हीं में से एक भस्म है। आपने भी सुना या देखा होगा कि भगवान शिव के पूजन में भस्म का विशेष महत्व होता है। बता दें कि बारह ज्योतिर्लिंग में से उज्जैन का महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग भी बहुत फेमस है। महाकालेश्वर में भगवान शिव की भस्म से आरती की जाती है। बताया जाता है कि यह परंपरा सदियों से चली आ रही है।

जानिए भस्म का महत्व

शिव पुराण के अनुसार, भस्म भगवान शिव का प्रमुख वस्त्र माना जाता है। क्योंकि भस्म ही पूरी सृष्टि का सार है। इस पूरे संसार को एक दिन भस्म के रूप परिवर्तित होना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान भोलेनाथ के शरीर पर जो भस्म लगाई जाती है। वह साधारण आम की लकड़ी की राख नहीं होती है। बल्कि बताया जाता है कि काशी में सुबह जलने वाली पहली चिता की राख से भगवान शिव को भस्म अर्पित की जाती है। इस भस्म को चिता भस्म भी कहा जाता है।

क्या है भस्म की कथा

भगवान शिव को चढ़ाई जाने वाली भस्म को लेकर एक और कथा प्रचलित है। धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक जब माता सती के पिता ने भगवान शिव का अपमान किया तो वह क्रोध में आकर हवन कुंड में प्रवेश कर गईं। इसके बाद भगवान भोलेनाथ माता सती की देह को लेकर हर जगह भ्रमण करने लगे। जिससे तीनों लोकों का संतुलन डगमगाने लगा।

वहीं भगवान श्रीहरि विष्णु से जब भगवान भोलेनाथ की यह दशा देखी नहीं गई तो उन्होंने माता सती की देह को छूकर उसे राख यानी की भस्म में बदल दिया। माता सती के शरीर को राख में परिवर्तित देख भोलेनाथ दुखी हो गई। जिसके बाद उन्होंने उस राख को अपने पूरे शरीर पर मल लिया। कहा जाता है कि इसीलिए आज भी भगवान शिव को भस्म अर्पित की जाती है।

इसके अलावा भगवान शिव को भस्म अर्पित करने के पीछे एक और कथा प्रचलित है। बताया जाता है कि भगवान शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश पर्वत चारो ओर से बर्फ से ढके होने के कारण बहुत ठंडा रहता है। इसलिए भगवान भोलेनाथ स्वयं को ठंड से बचाने के लिए अपने पूरे शरीर पर भस्म का वस्त्र पहनते हैं।

कैसे बनाएं भस्म

बता दें कि शिव पुराण में भस्म बनाने की विधि के बारे में बताया गया है। शिव पुराण के अनुसार, कपिला गाय के सूखे हुए गोबर, वट, अमलतास, बेर और पलाश, शमी और पीपल की लकड़ियों को एक साथ जलाकर मंत्रोच्चार किया जाता है। जब यह लकड़ियां राख हो जाए, तब इसको भस्म के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इस्तेमाल करने से पहले भस्म को किसी कपड़े से छानकर इसे शिव पूजन में इस्तेमाल कर सकते हैं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

अब दीजिये विज्ञापन शहर के अपने रंजीत टाइम्स अख़बार में।

WAYS TO PROMOTE YOUR BUSINESS

विवाह,शोक पत्र, बर्थडे, व्यापार आदि प्रकार के सम्बंधित विज्ञापन दिए जाते है।

राजनीति 24 .NEWS

BOOK NOW

8889066688, 9109639404

कान फेस्टिवल 2023 में ऐश्वर्या राय का लुक

ऐश्वर्या राय बच्चन के कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री करते ही हर किसी की निगाहें उनपर ही टिक गईं। हुडी गाउन में वह किसी क्वीन से कम नहीं लग रही थीं।

कान फिल्म फेस्टिवल 2023 में ऐश्वर्या राय बच्चन का फर्स्ट रेड कार्पेट लुक सामने आ गया है। Indiana Jones And The Dial Of Destiny की स्क्रीनिंग के लिए ऐश्वर्या इस 76th फिल्म फेस्टिवल में पहुंची थीं। जैसे ही हसीना ने हुड गाउन पहनकर रेड कार्पेट पर एंट्री मारी, हर कोई उनका लुक देखता ही रह गया। 21 साल से ऐश कान के मंच पर अपने ग्लैमरस लुक्स से इंप्रेश करती नजर आ रही हैं। अदाकारा के कान के इस लुक की भी जमकर चर्चा हो रही है। ऐश्वर्या के कान में एंट्री करते ही हर किसी नजर उनके लुक पर टिक गई। वह इतनी खूबसूरत लग रही थीं कि लोग उनके चेहरे से नजरें नहीं हटा पा रहे थे। कान फिल्म फेस्टिवल में इस बार बॉलीवुड की हसीनाएं लगातार अपने ग्लैमरस लुक का तड़का लगाती दिख रही हैं, लेकिन 21 साल से राज कर रही क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन के आगे वो भी फीकी पड़ती नजर आईं। हर साल ऐश के रेड कार्पेट लुक्स देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बार भी जैसे ही हसीना कान के रेड कार्पेट पर उतरीं, पैपराजी द्वारा फोटो लेने की होड़ लग गई।

ऐश्वर्या के लिए खास डिजाइन किया गया गाउन

बता दें कि इस बार हसीना Sophie Couture का क्रिएट किया हुआ यूनिक गाउन पहनकर कान के मंच पर पहुंची। ऐश्वर्या का हुड वाला लुक कान्स कैप्सूल कलेक्शन के लेबल से था, जो खासतौर से एक्ट्रेस के लिए डिजाइन किया गया था।

गाउन की हुडी ने बटोरी लाइमलाइट

?ऐश्वर्या के इस शिमरी आउटफिट में लाइटवेट एल्यूमिनियम डिटेल्स के साथ ब्लैक कलर का सिग्नेचर कॉरसेट था, जिसमें हुडी को संभालते हुए वह वॉक करती नजर आ रही थीं। इस सिल्वर और ब्लैक गाउन में ऊपर से लेकर नीचे तक क्रिस्टल्स लगे नजर आ रहे थे। गाउन में ऐड की गई बड़ी सी हुडी के साथ फ्रंट पर ओवरसाइज्ड ब्लैक बो से इस लुक को कम्पलीट किया गया था। कमर के हिस्से पर अटैच बो गाउन को अट्रैक्टिव बना रहा था।

परिणीति संग सगाई के बाद Raghav Chadha के रैंप वॉक का वीडियो वायरल, फैंस बोले- लड़की का चक्कर बाबू भईया.

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राज्यसभा सांसद और आम आदमी के नेता राघव चड्ढा की सगाई कुछ ही समय पहले हुई है. दोनों की सगाई की पिक्चर्स और वीडियो सोशल मीडिया पर खासा वायरल हुए. जिन्हें फैंस का खूब प्यार मिला. अब हाल ही में राघव चड्ढा के रैंप वॉक का थ्रोबैक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. जिसमें राघव एक डिजाइनर के लिए रैंप वॉक करते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो को देख फैंस राघव को जीजाजी कहते हुए चिढ़ाते नजर आ रहे हैं.

राघव चड्ढा ने किया रैंप वॉक

दरअसल राघव चड्ढा ने एक साल पहले एक डिजाइनर के लिए रैंप वॉक किया था. जिसके पिक्चर्स और वीडियो सोशल मीडिया पर खासे वायरल हो रहे हैं. इन वीडियो और पिक्चर्स को देख फैंस राघव को जीजाजी कहकर चिढ़ाते नजर आ रहे हैं. राघव के रैंप वॉक की पिक्चर पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, जीजाजी की बॉलीवुड में एंट्री, एक अन्य ने लिखा, हीरो बन सकते हैं जीजा जी. एक फैन ने लिखा, यही कर लीजिए भईया आप. वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, जब मैंने ये पिक्चर देखा तो मुझे लगा राघव जुयाल हैं, अब मुझे आश्चर्य हो रहा है.

प्लेऑफ की रेस से बाहर होने के बाद RCB कप्तान ने अपनी ही टीम पर उठाए सवाल, क्वालीफाई न करने की बताई वजह

रविवार (21 मई) को गुजरात के खिलाफ हार के बाद ऋष्ट्कआईपीएल 2023 से बाहर हो गई. मैच के बाद कप्तान फाफ ने चौंकाने वाला बयान दिया. रविवार (21 मई) को करो या मरो के मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के गुजरात टाइटंस के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. इस हार के साथ ही आरसीबी का आईपीएल 2023 में सफर समाप्त हो गया. मैच के बाद बैंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने अपनी ही टीम पर सवाल उठाए. फाफ ने बताया आखिरी क्यों इस सीज़न भी बैंगलोर की टीम खिताब जीतने से चूक गई।

मैच के बाद आरसीबी कप्तान ने कहा, बहुत निराश हूं. आज रात हम बेहद मज़बूत टीम के साथ उतरे थे. शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया. दूसरी पारी में मौदान बहुत गीला था. पहली पारी में भी मौदान गीला था. हमें दूसरी पारी में कई बार गेंद बदलनी पड़ी. विराट कोहली ने अविश्वसनीय पारी खेली. हमें लगा था कि हमने अच्छा स्कोर खड़ा कर दिया है. लेकिन शुभमन गिल ने अच्छा खेला और मैच हमसे दूर कर दिया।

फाफ ने आगे कहा, बैटिंग की बात करें तो टॉप-4 ने अच्छा खेल दिखाया. लेकिन पूरे सीजन मिडिल ऑर्डर अच्छा नहीं कर सका. खासतौर पर डेथ ओवर्स में. कोहली ने पूरे सीज़न शानदार खेला. शायद पूरे सीजन हमने 40 से कम की ओपनिंग साझेदारी नहीं की. हमें अंत में पारी को अच्छे से फिनिश करने की ज़रूरत है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले साल दिनेश कार्तिक ने शानदार बैटिंग की थी और अंत में रन बनाए थे. लेकिन इस सीज़न वह ऐसा नहीं कर पाए, और अगर आप उन टीमों को देखें, जो सफल रही हैं तो उनके पास पांच और छह नंबर पर बेहतरीन हिटर हैं।

सभी ग्रामों में बनेंगी लाड़ली बहना सेनाएँ- मुख्यमंत्री श्री चौहान

आम जनता की जिंदगी बदलना मेरी जिंदगी का उद्देश्य

417 करोड़ से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री धार जिले के गंधवानी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना महासम्मेलन में हुए शामिल

धार/गंधवानी । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बहनों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित हैं। योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और कार्यों पर निगरानी रखने के लिए लाड़ली बहना सेनाओं की भूमिका को सक्रिय बनाया जाएगा। सभी ग्रामों में लाड़ली बहना सेनाएँ बनेगी। बड़े ग्रामों में 21 सदस्य और छोटे ग्रामों में 11 सदस्य शामिल की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नागरिकों की जिंदगी बदलना मेरी जिंदगी का उद्देश्य है। प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ तेजी से क्रियान्वित की जा रही हैं। आगामी 15 अगस्त तक एक लाख शासकीय पदों की भर्ती का कार्य पूर्ण होगा। भर्ती की प्रक्रिया निरन्तर जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री चौहान इंदौर संभाग के धार जिले के गंधवानी में लाड़ली बहना महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। महासम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री चौहान और केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री गोयल एवं केन्द्रीय टेक्सटाईल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश के पहुँचने पर बहनों ने अगवानी की। जनजातीय समाज द्वारा पारंपरिक रूप से और तीर-कमान भेंट कर स्वागत किया गया। अतिथियों को धार जिले के प्रख्यात बाग प्रिंट के वस्त्र भेंट किये गये। मुख्यमंत्री ने 229 करोड़ 66 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 187 करोड़ 76 लाख रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। जहाँ विभिन्न संपत्तियाँ महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हो रही हैं वहीं बहनों के कल्याण के लिए कई अभिनव योजनाएँ संचालित हैं। लाड़ली बहना योजना प्रारंभ करने से प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण का कार्य आसान हुआ है। योजना से मिलने वाली राशि से महिलाओं को छोटे-छोटे खर्चों के लिए अन्य लोगों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में विशेष पिछड़ी जनजाति बेगा, सहरिया और भारिया के लिए 1000 रूपये मासिक प्रदान करने की योजना प्रारंभ की गई थी। इस राशि से महिलाएँ घर में फल, दूध, सब्जी आदि खरीदने का कार्य कर सकती हैं। लाड़ली बहना योजना भी इस विचार का विस्तार है। इसमें विशेष पिछड़ी जनजातियों के अलावा सभी बहनों के लिए प्रतिवर्ष 12 हजार रूपये प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 10 जून से महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने लगेगा। पूर्व सरकार ने संबल योजना को बंद कर दिया और कन्याओं के विवाह के लिए सहायता देना भी बंद हो गया था, जिसे पुनः प्रारंभ किया गया। गरीब वर्ग के हित में सीएम राइज विद्यालय उपयोगी होंगे। ग्रामों में निर्धन तबके के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों की व्यवस्था होना चाहिए। इसी तरह हिंदी में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई की पहल भी की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीखो और कमाओ योजना से युवाओं को सहायता देने की जानकारी भी दी। धार जिले में पीएम मित्र पार्क प्रारंभ होने से क्षेत्र में महिलाओं को आसानी से रोजगार उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्रामों में कन्या के जन्म पर कुछ दशक पूर्व मायूसी देखने को मिलती थी लेकिन अब परिवर्तन आ रहा है। मध्यप्रदेश में बहनें और बेटियाँ सम्मान की पात्र हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजनाओं के क्रियान्वयन में जन-सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जन-कल्याण के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों, लाड़ली लक्ष्मी से लेकर लाड़ली बहना योजना तक महिला सशक्तिकरण के लिए प्रारंभ की गई योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना सिर्फ योजना नहीं, एक सामाजिक क्रांति है। महिलाओं के सम्मान के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं। शराब अहातों को बंद किया जाना, इस कड़ी में लिया गया अहम फैसला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के प्रति धार जिले में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सम्मेलन में इसकी झलक मिली जब अब जियो लाड़ली बहना, बढ़ चलो लाड़ली बहना... गायन काफी देर चला।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय वर्ग के गरीबों के लिए पेसा नियम उपयोगी है। धार जिले के सभी विकासखंडों में इसे लागू किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान से समस्याओं के निराकरण के लिए सजग होने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री के आग्रह पर संकल्प लिया कि वे अभियान का लाभ लेंगे।

निवेश के रास्ते में कोई बाधा नहीं - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रति सोमवार निवेशक की चर्चा के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित किया जाता है। धार जिले के पीएम मित्र टेक्सटाईल पार्क से दो लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली बहना महासम्मेलन में जनता के बीच जाकर उनका अभिवादन किया। कन्या-पूजन से कार्यक्रम शुरू हुआ। अतिथियों को आम जनता ने उपहार भी प्रदान किए। विशाल पुष्पाहार से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर धार जिले के 13 विकासखंड की बहनों ने जिले की 90 हजार बहनों की ओर से मुख्यमंत्री श्री चौहान को पाती (चिट्ठियाँ) सौंपी जिसमें मुख्य मंत्री लाड़ली बहना योजना प्रारंभ करने के लिए धन्यवाद दिया।

केंद्रीय टेक्सटाईल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश ने कहा कि यह सौभाग्य है कि मुझे मध्यप्रदेश आने का अवसर मिला है। धार जिले में टेक्सटाईल क्षेत्र में अद्भुत कार्य होगा। इसमें महिलाओं की सहभागिता भी होगी। महिलाओं की भागीदारी से अच्छे परिणाम मिलेंगे। मध्यप्रदेश सजग भी है और गजब भी है। इसे प्रधानमंत्री श्री मोदी भी मानते हैं। पीएम मित्र टेक्सटाईल पार्क से महिलाएँ अधिक सशक्त होंगी। मध्यप्रदेश कई उत्पादों में जीआई टैग प्राप्त कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री गोयल ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चौहान के आग्रह पर केंद्र सरकार ने यह पार्क स्वीकृत किया है। इससे क्षेत्र का बहुमुखी विकास होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान का पार्क के लिए जमीन और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने पर आभार माना। उन्होंने कहा कि हम सब मिल कर तेजी से कार्य करेंगे। पार्क से धार अंचल के विकास को गति मिलेगी और करीब 2 लाख लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मध्यप्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, सांसद श्री छतर सिंह दरबार और पूर्व मंत्री सुश्री रंजना बघेल ने भी संबोधित किया। महासम्मेलन में धार जिले की बहनें बड़ी संख्या में शामिल हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले के गंधवानी में लाड़ली बहना महासम्मेलन के पश्चात पेसा नियम अंतर्गत गठित समितियों के सदस्यों से भी बातचीत की।

धार विधायक श्रीमती नीना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेढ़ा, पूर्व मंत्री श्रीमती रंजना बघेल, मप्र युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, मनोज सोमानी,धार जिला योजना समिति सदस्य श्री जयदीप पटेल, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति और निवेश संवर्धन श्री मनीष सिंह, इंदौर संभाग कमिश्नर डॉ. पवन कुमार शर्मा, आईजी श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा, डीआईजी श्री चंद्रशेखर सिंह सोलंकी, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज सिंह, पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर, पूर्व विधायक श्री करण सिंह पवार, पूर्व विधायक श्री वेलसिंह भूरिया, पूर्व विधायक कालूसिंह ठाकुर सहित अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश को मिली बड़ी उपलब्धि इंदौर संभाग के धार ज़िले में स्थापित होगा पीएम मित्र पार्क

निवेश की राह में कोई बाधा नहीं आने देंगे–मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान
केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ले मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों को सराहा

मध्यप्रदेश को आज एक बड़ी उपलब्धि मिली जब इंदौर संभाग के धार ज़िले के गंधवानी में आयोजित कार्यक्रम में वस्त्र उद्योग से संबंधित पीएम मित्र पार्क के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। इस मौक़े पर उपस्थित बड़ी संख्या में उद्योगपतियों ने निवेश की रुचि संबंधी पत्र मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को सौपे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम निवेश की राह में कोई बाधा नहीं आने देंगे। उन्होंने पीएम मित्र पार्क की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश का चयन किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मौक़े पर उपस्थित निवेशकों से कहा कि वे जब भी चाहें भोपाल आकर उनसे मिल सकते हैं। उन्हें कार्य करने और अपने उद्यम के स्थापना के लिए मध्यप्रदेश सरकार हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पीएम मित्र पार्क को मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि यहाँ लगभग दो लाख की संख्या में रोज़गार का सृजन होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवेशकों को युवाओं के लिए हाल ही में लागू मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को इस योजना के तहत अवसर प्रदान करें।

केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में कहा के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस पार्क की स्थापना के लिए रुचि दिखाई है और केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय किया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव भी इस पार्क को प्रारंभ कराने के लिए

लगातार सक्रिय रहे। यह पार्क धार ज़िले और समूचे वनवासी अंचल के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोस, सांसद श्री छतर सिंह दरबार, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री मनीष सिंह, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक डॉ. नवनीत कोठारी भी उपस्थित थे।

पी.एम. मित्र पार्क एक नजर में

केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय ने देश के सात राज्य में सात पी.एम. मित्र पार्क अनुमोदित किए हैं। इनमें मध्यप्रदेश में भी एक पी.एम. मित्र पार्क शामिल हैं। यहां कपास से धागा, धागे से वस्त्र निर्माण और तैयार वस्त्र की बिक्री एवं निर्यात का कार्य एक स्थान पर होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 5 एफ विजन (फार्म टू, फाइबर टू, फैक्ट्री टू, फैशन टू, फॉरेन) को साकार करने के लिए इन मेगा पार्क को विकसित किया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने सात राज्यों के प्रस्तावों का चयन किया।

मध्यप्रदेश के प्रस्ताव की मंजूरी के बाद धार जिले के भैंसोला को पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क के लिए सर्वाधिक अनुकूल मानते हुए अंतिम रूप से चयनित किया गया। यह पार्क इंदौर संभाग के धार जिले के भैंसोला में लगभग 1563 एकड़ भूमि पर विकसित होगा। पार्क की भूमि एम.पी.आई.डी.सी. के आधिपत्य में है। इस पार्क के विकास के लिए केन्द्र सरकार ने 2 चरण में 500 करोड़ रूपए की राशि प्रदान करने का फ़ैसला लिया है। पार्क में मध्यप्रदेश की उद्योग संवर्धन नीति में मिलने वाले समस्त लाभ उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके साथ ही भारत सरकार ने 100 करोड़ से अधिक निवेश करने वाली इकाइयों को टर्न ओवर का 3 प्रतिशत (अधिकतम 15 करोड़ एवं 30 करोड़ तीन वर्ष तक प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस पार्क के लिये केन्द्र और मध्यप्रदेश शासन के मध्य एक एस.पी.वी. का गठन किया जायेगा। जिसमें राज्य शासन की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत एवं केन्द्र सरकार की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। टेक्सटाइल पार्क में निवेश के लिए 19 इकाइयों ने रूचि व्यक्त की है। इनके द्वारा करीब 6 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि का निवेश किया जाना प्रस्तावित है। इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग दो लाख रोजगार प्राप्त होंगे। टेक्सटाइल एवं गारमेन्टिंग सेक्टर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अशिक्षित और अकुशल व्यक्तियों के लिए भी रोजगार के भरपूर अवसर होते हैं। इनमें 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएँ शामिल होती हैं। इस नाते महिला सशक्तिकरण के दृष्टि से भी टेक्सटाइल पार्क का बहुत महत्व रहेगा।

भद्रं कर्णेभिः का साक्षात करते हैं, सहजयोग ध्यान से !

भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा । भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः।
शान्तिपाठ, गणेश अर्थवशीर्ष

सहजयोग लेख लेखन की आज की कडी में जाणते है, गणपती अर्थवशीर्ष के पूर्व दिये गये शान्तिपाठ का हम सहज योग मे कैसे साक्षात कर सकते है। उपरोक्त वर्णित शान्तिपाठ का अर्थ है, हे भगवन, हम हमारी कानासे केवल शुभ और कल्याण कारी वचन ही सूने, आँखों से भी केवल मंगलमयी दृष्य ही देखे, हम सदैव परमपिता – परमेश्वर का पूजन करे इसलिए हमारी इंदियाँ सुदृढ और निरामय रहे। सर्व देवतागण हमारे शरीर मे रहकर हमारा संरक्षण करते है , ये सभी देवता जब हमसे प्रसन्न रहते है तभी हमारे सारे अवयव सुदृढ रहकर हम सतमार्ग पर कार्यरत रहते है, इसलिये जिनका सुयश सर्वत्र फैला हुआ हो, ऐसे इंद्रदेव से हम प्रार्थना करते है, सर्वज्ञ पुषादेव, अरिष्ट का निवारण करने वाले तार्क्षदेव और बुद्धीके स्वामी बृहस्पती इन सभी से हम प्रार्थना करते है की इन सभी ने हमारा पोषण और संरक्षण करे, ऐसी विनम्र प्रार्थना हम करते है।

अब हम देखते है उपरोक्त मंत्र का हम सहजयोग से कैसे साक्षात कर सकते है। प. पू. श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग एक ध्यानपद्धती है, जिसके द्वारा हम **निर्विचार अवस्था** का अनुभव पाते है। जैसे ही हम ध्यान मे आगे बढ़ते है तो हम हमारे चित्तपर check post लगाते है, किसी भी बुरे और अयोग्य विचारो की ओर हम साक्षीभाव से देखते है और **नेति, नेति** कहकर उस विचार को हम हमारे चित से हटा देते है। इस

प्रकार हम केवल शुभ देखते है,माँ के वचनो को सुनकर, अच्छा ,मंगलमय सूनने की खूप को आदी डालते है।मन मे गलत विचार आया तो तत्क्षण हम अपने कान पकडकर उस बुराई को हट्टाने का प्रण करते है।हर दिन के ध्यान से हम हमारे चक्र पर विराजमान देवता का आशिर्वाद पाते है। हमारा शरीर जो पंचमहाभूतो से बना हुआ है उस शरीर को निरामय , सुदृढ रखने के लिए हम धरती माता , आकाशतत्व, नमक-पाणी प्रकीया और मोमबत्ती उपचार इ.आसान प्रक्रीयाओसे हमारे सारे चक्र और नाडीयों को शुद्ध रखते है तो हम सहजता मे सुदृढ आरोग्य भी पाते है, और हर दिन के ध्यान मे निरानंद तो नि:शुल्क है ही! आपको भी अमंगल विचारोसे छूटकारा पाना है,तो आज ही सीखे सहजयोग ध्यान!!

बाबा रंजीत के दरबार में पूजन और महाप्रसादी

सातेगाँव । महाराष्ट्र में अमरावती जिले में अंजनगांव तहसील में सातेगांव जी हां सातेगांव बहुत ही प्राचीन मंदिर है सातेगांव के पास पूर्व में राजपुर गाँव था। राजपुर का जो रंजीत हनुमान मंदिर है यह बहुत ही प्राचीनकालीन मंदिर है। कहा जाता है की जो यहां जो भी मन्नत मांगते हैं वो पूरी हो जाती है। जी हां जो भी मन्नत जो भी इच्छा अवश्य पूरी होगी ये ऐसा प्राचीन मंदिर है। यहां पे रंजीत टाइम्स सम्पादक गोपाल गावंडे ने सह परिवार पूजन और महाप्रसादी का आयोजन रखा। यहां दूर दूर से लोग आए थे और सम्मिलित होकर बाबा रंजीत का आशीर्वाद लिया और हनुमान चालीसा कर यहा सभी भक्तों के साथ पूजन किया।

अमरावती जिला तहसील अंजनगांव ग्राम सातेगांव जहां रंजीत बाबा बैठे हैं हनुमान जी का मंदिर है वो प्राचीन है । राजापुर सातेगांव से तीन किलोमीटर की दूरी पर है राजापुर हनुमान मंदिर। दिनांक 22 मई 2023 को यह प्रोग्राम संपन्न हुआ।

राऊ विधानसभा के गरीब अस्थाई पट्टो को रजिस्ट्री में बदलने की मांग

इंदौर(अनिल चौधरी ।राऊ विधानसभा के समाज सेवक अभिषेक जाट के नेतृत्व में राहुल गांधी नगर, सोनिया गांधी नगर, जीत नगर, भावना नगर, एकता नगर एवं राऊ विधानसभा के आस्थाई पट्टा धारक गरीब रहवासी आज कलेक्टर कार्यालय पर ज्ञापन देने पहुंचे।।समाजसेवी अभिषेक जाट की अगुवाई में ज्ञापन के माध्यम से गरीब रहवासियों ने मांग की है की अस्थाई पट्टे को स्थाई रजिस्ट्री में तब्दील करवाने अनुमति दे इसके अलावा नगर निगम द्वारा ड्रेनेज की सफाई उचित तरीके से नहीं की जाती है इसकी भी शिकायत की है पूरे क्षेत्र में गंदगी फैलने से बीमारियां फैल रही है इसके साथ ही इन सभी कालोनियों में प्रवेश का मुख्य मार्ग वर्षों से खुदा बड़ा है इस वजह से रह वासियों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है पानी निकासी की भी समस्या बारिश में बनी रहती है अधिक बारिश होने पर रहवासियों के घरों में पानी भर जाता है । नहीं इस पूरे गरीब क्षेत्र में कोई शासकीय स्कूल है, स्ट्रीट लाइट वर्षों से बंद पड़ी है। जिसके कारण अंधेरे का फायदा उठाते हुए असामाजिक तत्व वारदात को अंजाम देते हैं। इसी तरह की तमाम समस्याओं को अवगत कराते हुए समाजसेवी अभिषेक जाट ने मीडिया से कहा कि अगर हमारे गरीब भाइयों की उचित सुनवाई नहीं होती है तो आने वाले समय में होने वाले चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों का विरोध करेंगे।

अभिनेता ओमकार कपूर अभिनीत LaVaste- लावारिस लाशों की खातिर एक होने की कहानी

इंदौर (अनिल चौधरी)। एडिव प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड ने आधिकारिक तौर पर अपनी आगामी फिल्म Lavaste के लिए टीज़र जारी किया है। निर्देशक सुदेश कनौजिया, निर्माता आदित्य वर्मा और सह निर्माता रोहनदीप सिंह हमारे समाज में लावारिस लाशों की अनकही त्रासदी को दिखाते हुए एक अनूठी कहानी बड़े पर्दे पर लेकर आए हैं।

फिल्म के कलाकार ओमकार कपूर, , डायरेक्टर सुदीश कनौजिया और डीओपी कुलदीप जी मीडिया से मुखातिब हुए।

Lavaste एक बी.टेक स्नातक सत्यांश की यात्रा का अनुसरण करता है, जिसका काम शवों को उठाना है। हालांकि, कहानी उनकी या उनके परिवार की नहीं है, बल्कि उन लावारिस लाशों की है जिनके वारिस हैं। फिल्म का उद्देश्य लावारिस लाशों की खातिर लोगों को एकजुट करना है, हमारे समाज में मौजूद अमानवीयता और त्रासदी पर प्रकाश डालना है।

ओमकार कपूर, मनोज जोशी, बृजेंद्र काला, उर्वशी एस शर्मा, शुभांगी लतकर, आदित्य वर्मा और विकास गिरी अभिनीत। Lavaste 26 मई, 2023 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। फिल्म में मनोज नेगी द्वारा संगीत दिया गया है, जिसमें महान सोनू निगम, कैलाश खेर और स्वानंद किरकिरे ने अपनी आवाज दी है।

जैसा कि हम Lavaste की रिलिज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, आइए हम एक साथ आएं और लावारिस लाशों के कारण के लिए अपना समर्थन दें। क्रांति में शामिल हों और बदलाव का हिस्सा बनें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)